सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

9वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – 110092

सत्र: 2024-2025

कक्षा- 8 **हिन्दी पाठ्यपुस्तक** **पाठ- 15**

मौखिक

1. प्रश्नों के उत्तर बताइए-

(क) अष्टावक्र का महापंडित वंदन से शास्त्रार्थ हुआ था।

(ख) शास्त्रार्थ का यह नियम था कि जो भी महापंडित वंदन से शास्त्रार्थ में हार जाता था, उसे नदी में डुबो दिया जाता था।

(ग) एक बार महर्षि कहोड़ वेद पाठ कर रहे थे। उनके पुत्र ने जब उन्हें त्रुटियाँ बताते हुए टोका तो क्रोध से उन्होंने अष्टावक्र को आठ अंगों से टेढ़े होने का शाप दे दिया। इसीलिए उसका नाम अष्टावक्र पड़ा।

(घ) अष्टावक्र के पिता कहोड़ जब वेद-पाठ करते थे तो उदात्त को अनुदात्त पढ़ जाते थे। बालक अष्टावक्र ने उन्हें जब पहली बार टोका तब उन्होंने कुछ नहीं कहा। उनके बार-बार टोकने पर वे क्रोधित हो गए और क्रोध के वश में शाप देते हुए कहा कि तूने मुझे आठ बार टोका है, इस कुटिलता के कारण तेरे अंग आठ स्थानों से टेढ़े हो जाएँगे।

(ङ) यक्ष के अदृश्य होने पर एक सुन्दरी प्रकट हुई।

लिखित

2. प्रश्नों के उत्तर बताइए-

(क) पंडितों को अपने पर हँसता हुआ देखकर अष्टावक्र ने कहा कि मुझे लगता था महाराज जनक की सभा में विश्व प्रसिद्ध प्रकांड पंडित होंगे लेकिन ऐसा नजर नहीं आ रहा। उन्होंने कहा कि ब्रह्म ज्ञानी तो शरीर में शुद्ध और निर्विकार आत्मा को पहचानते हैं। वे चमड़े से ढँके शरीर की ओर ध्यान नहीं देते।

(ख) अष्टावक्र ने ब्रह्म ज्ञानी की परिभाषा बताते हुए कहा कि वे शरीर में पैठे शुद्ध और निर्विकार आत्मा को पहचानते हैं।

(ग) शास्त्रार्थ की आज्ञा देने से पहले कुछ बातें पूछी। उन्होंने पूछा कि राजा जनक ने अष्टावक्र से सोते समय कौन नेत्र नहीं मूँदता? जन्म लेने के बाद किस में गति नहीं होती? किसके हृदय नहीं होता और कौन वेग से बढ़ता है?

(घ) अपने पिता के प्रतिशोध का बदला लेने के लिए अष्टावक्र राजा जनक की सभा में पहुँचे। वहाँ उन्होंने महापंडित वंदन से शास्त्रार्थ किया। अपने सवालों से न सिर्फ उन्हें निरुत्तर कर डाला बल्कि उनकी गलतियों को भी पकड़ा। वह महापंडित वंदन को सजा दिलवाने वाले थे। उसी समय वंदन अपने पिता वरुण की मदद से नदी में डूबे सभी ऋषियों को वापस सभा में ले आए। इस तरह अष्टावक्र ने अपने पिता के प्रतिशोध का बदला लिया।

(ङ) पंडित वंदन मिश्र ने राजा जनक के सामने यह रहस्य उद्घाटित किया कि मैं राजा वरुण का पुत्र हूँ। उनके यहाँ बारह वर्षों में पूर्ण होने वाला यज्ञ चल रहा था। उस यज्ञ के अनुष्ठान के लिए मुझे सात श्रेष्ठ पंडितों की आवश्यकता थी। जल में डुबोने के बहाने उन सात ऋषियों को उस यज्ञ के लिए भेज दिया था। वे सभी ऋषि, पिता वरुण का यज्ञ पूर्ण करके अब लौट आएँगे।

(च) वरुण ने कहोड़ को बताया कि वे जब अपने पुत्र के साथ समंगा नदी में स्नान करेंगे तो अष्टावक्र का टेढ़ापन दूर हो जाएगा और वह सुंदर शरीर धारण कर लेगा।

3. किसने किससे कहा-

(क) वंदन ने महाराज जनक से कहा।

(ख) अष्टावक्र ने महाराज जनक से कहा।

(ग) महाराज जनक ने अष्टावक्र से कहा।

(घ) वंदन ने अष्टावक्र से कहा

(ङ) सुदामा ने वंदन से कहा।

4. पाठांश पर आधारित प्रश्न

(क) प्रस्तुत कथन के वक्ता महाराज जनक हैं।

(ख) श्रोता आठ अंगों से टेढ़े, अप्टावक्र महर्षि कहोड़ के पुत्र और उद्दालक के नाती थे। वे महाज्ञानी थे।

(ग) श्रोता वक्ता की राज सभा के महापंडित वंदन से शास्त्रार्थ करके उन्हें हराकर अपने पिता की हार का बदला लेना चाहता था।

(घ) शास्त्रार्थ वंदन मिश्र के साथ होना था।

5. सही विकल्प चुनकर (✓) का चिह्न बनाइए-

(क) जनक (ख) कहोड़ (ग) सोलह